सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in   www.facebook.com/4pmnewsnetwork   @Editor_Sanjay   YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 09 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 10 फरवरी, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जहां जाइये प्यार फैलाइए। जो भी आपके पास आये वह और खुश होकर लौटे।

–मदर टेरेसा

श्रेयस-सौरभ टीम से बाहर, आकाश... 7 | जयंत बने यूपी की सियासत के... 3 | भारत रत्न देने में दलितों की... 2

भारत रत्न व राम मंदिर पर सदन में बवाल

संसद सत्र के अंतिम दिन भारी हंगामा

किस नियम से रालोद नेता को बोलने का दिया मौका : कांग्रेस

» जयंत के बोलने पर विपक्ष का प्रहार

» उपराष्ट्रपति और खरगे के बीच हुई तीखी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद के मौजूदा बजट सत्र के आखिरी दिन संसद के दोनों सदनों में जयंत चौधरी के बोलने को लेकर भाजपा व कांग्रेस में जमकर बहस हो गई। राज्य सभा में जब जयंत चौधरी को बोलने के लिए बुलाया गया तो इसबात पर कांग्रेस अध्यक्ष ने आपत्ति जताई। जिसको लेकर राज्य के सभापति जगदीप धनखड़ व नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बीच भी झड़प हुई।

वहीं राम मंदिर मामले पर भी दोनों सदनों में चर्चा हो रही है। उस पर भी तीखी नोंकझोंक हुई। वहीं केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद पुरुषोत्तम रुपाला ने कहा कि ये कांग्रेस का चरित्र है किसान विरोधी। कांग्रेस नंगी हो गई, निर्वस्त्र हो गई। उसको बधाई देने में भी पेट में दर्द हो रहा है।

मैं चौधरी चरण सिंह का अपमान बर्दाश्त नहीं के करूंगा : धनखड़

सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वे चौधरी चरण सिंह का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस दौरान राज्यसभा में खूब हंगामा और नारेबाजी हुई। नेता प्रतिपक्ष और अन्य कांग्रेस नेताओं को संबोधित करते हुए कहा, आपने चौधरी चरण सिंह का अपमान किया है, आपने उनकी विरासत का अपमान किया। भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के लिए आपके पास समय नहीं था। सदन में ऐसा माहौल बनाकर देश के हर किसान को आहत कर रहे हैं।

भारत रत्न देना अच्छा पर खुद शोर मचाना ठीक नहीं : खरगे

राज्यसभा में चर्चा के दौरान जब जयंत चौधरी ने बोलना शुरू किया तो मल्लिकार्जुन खरगे ने इस पर सवाल उठाया। उन्होंने राज्यसभा सभापति से सवाल किया कि उन्हें किस अधिकार से बोलने का मौका मिला है। उन्होंने ये भी कहा कि ये सरकार लोगों को भारत रत्न से सम्मानित कर रही है, लेकिन इसका खुद शोर मचाया जा रहा है, हम सभी को सैल्यूट करते हैं।

भारत रत्न देने पर लोगों ने मनाई दिवाली : जयंत

आरएलडी चीफ जयंत चौधरी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित करने का फैसला एक बड़ा फैसला है। कल इस घोषणा के बाद लोगों ने दिवाली मनाई है। कल किसानों ने कनॉट प्लेस में मिठाइयां बांटी। इससे यही पता चलता है कि यह फैसला सिर्फ उनके परिवार तक ही सीमित नहीं था, बल्कि किसानों को मजबूत करने वाला फैसला है।

खरगे को मांगनी चाहिए माफी : पीयूष गोयल

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिया जाना सम्मान की बात है। कांग्रेस को आज जश्न मनाना चाहिए था कि उनके पूर्व पीएम को मोदी सरकार ने सम्मानित किया है। लेकिन दुर्भाग्यवश, उनके उपनाम में नेहरू-गांधी नहीं था। अगर वे इस परिवार से होते तो उन्हें खुशी होती। इस मामले पर खरगे को माफी मांगनी चाहिए।

हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि को कोर्ट का झटका

» हाईकोर्ट ने खनन मामले में जमानत याचिका की खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में ईडी का ताबड़तोड़ एक्शन जारी है। जांच एजेंसी के निशाने पर पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ-साथ कई बड़े अधिकारी शामिल हैं। जमीन घोटाले में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। अब इसी बीच हेमंत सोरेन के विधायक प्रतिनिधि को झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी है। पंकज मिश्रा को ईडी ने अवैध खनन मामले में गिरफ्तार किया है।

वहीं इससे पहले झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उन आरोपों को खारिज किया, जिनमें कहा जा रहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तारी में राजभवन का हाथ था। झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष सोरेन से 31 जनवरी को एजेंसी ने सात घंटे तक पूछताछ की थी। जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। इससे पहले ही उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

विश्वास मत हासिल करने से पहले जदयू ने कसी कमर

» बिहार: जदयू विधायकों की होगी बैठक, राजद व कांग्रेस की भी तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। नीतीश कुमार के विश्वास मत साबित करने से पहले बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायकों की बैठक होगी। वहीं राजद व कांग्रेस ने भी अपनी तैयारी कर ली है। पार्टी नेताओं ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने हालांकि कहा कि श्रवण कुमार द्वारा शनिवार को आयोजित किए जाने वाला दोपहर भोज और इसके एक दिन बाद विजय कुमार चौधरी के यहां आयोजित होने वाला जलपान कार्यक्रम ''हर विधानसभा सत्र से पहले की परंपरा का हिस्सा है।

बैठक को लेकर विजय कुमार चौधरी और श्रवण कुमार ने भी इसी तरह के विचार रखे। चौधरी और कुमार को जद(यू) अध्यक्ष नीतीश कुमार के भरोसेमंद कैबिनेट सहयोगियों में गिना जाता है। नए मंत्रिमंडल में भी दोनों का मंत्री पद बरकरार रहा है। राज्य के संसदीय कार्य मंत्री चौधरी ने कहा कि विधानसभा सत्र से पहले सामान्य तौर पर पार्टी विधायकों की बैठकें होती हैं। इन बैठकों का विश्वास मत से कोई लेना-देना नहीं है। राष्ट्रीय जनतांत्रित गठबंधन (राजग) सरकार 12 फरवरी को आसानी से विश्वास मत हासिल कर लेगी।

नीतीश सरकार विश्वास मत हासिल करेगी : अहमद खान

जदयू के राष्ट्रीय महासचिव अफाक अहमद खान ने कहा कि पार्टी सोमवार को विश्वास मत हासिल करने को लेकर आश्वस्त है। हम सामान्य तौर हर विधानसभा सत्र की शुरुआत से पहले बैठक करते हैं। इस तरह की बैठकें पहले भी पार्टी के दो वरिष्ठ नेताओं के आवास पर आयोजित की जाती थीं।

भारत रत्न देने में दलितों की हुई है उपेक्षा : मायावती

सरकार कांशीराम को भी करे सम्मानित

» चुनावी स्वार्थ में जनविरोधी और गलत बताने का चल रहा खेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा जिन भी हस्तियों को भारत रत्न से सम्मानित किया गया है, उनका स्वागत है। लेकिन इस मामले में खासकर दलित हस्तियों का तिरस्कार एवं उपेक्षा करना उचित नहीं है। सरकार को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने एक्स पर जारी बयान में कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को लंबे इंतजार के बाद वीपी सिंह की सरकार में भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

उसके बाद दलित व उपेक्षितों के मसीहा कांशीराम का इनके हितों में किया गया संघर्ष कोई कम नहीं है। उन्हें भी भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। वहीं दूसरी ओर उन्होंने एक और बयान जारी करते हुए कहा कि कांग्रेस और भाजपा के बीच लोकसभा चुनाव से पहले गंभीर आरोप प्रत्यारोप लगाते हुए ब्लैक और व्हाइट पेपर जारी किए जा रहे हैं। यदि उनको रिकॉर्ड ठीक होता तो भाजपा को सत्ता में आने का मौका नहीं मिलता। इसी तरह अगर भाजपा कार्यकाल बेहतरीन होता तो सर्वसमाज के लोग परेशान और बदहाल नहीं होते। मेहनतकश 80 करोड़ लोगों को सरकारी अनाज का मोहताज नहीं होना पड़ता। ये लोग अपने थोड़े अच्छे दिनों के लिए लगातार तरस रहे हैं। जिससे ध्यान बांटने के लिए पार्टियां और सरकारें लोगों की धार्मिक भावनाओं को भड़काने का खेल खेलती रहती हैं। एक-दूसरे को जनविरोधी और गलत बताने का यह खेल चुनावी स्वार्थ के अलावा कुछ नहीं है। ऐसी संकीर्ण राजनीति से जनहित कैसे होगा। खासकर जबकि करोड़ों लोग महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली तथा ग्रामीण भारत की दुर्दशा से लगातार त्रस्त हैं। इन हालात में अपने स्वार्थ को त्यागकर राष्ट्रीय समस्याओं को दूर करने के लिए संगठित प्रयास करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के खिलाफ ब्लैक पेपर जारी करने वाली कांग्रेस को अपने यूपीए के 10 साल का कार्यकाल भी देखना चाहिए।

चुनावी मजबूरी में दिया गया भारत रत्न : स्वामी

सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने एक्स पर बयान में कहा है कि चुनावी मजबूरी के चलते भारत रत्न देना जरूरी हो गया है। मौर्य ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन व पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने का निर्णय सर्वथा उचित है। भले ही 2024 की चुनावी मजबूरी में दिया गया हो, पर वह उसका स्वागत करते हैं। अगर योग्यता, गरिमा व व्यक्तित्व के आधार पर ही सम्मान देना था तो इसके पहले भी भाजपा की चार बार की सरकार में क्यों नहीं दिया गया। चुनावी चलाचली की बेला में क्यों।

भारत रत्न मिलने पर योगी ने दी शुभकामनाएं

पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव तथा हरित क्रांति के जनक कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से सम्मानित किये जाने के फैसले का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वागत किया है। मुख्यमंत्री ने तीनों विभूतियों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। उन्होंने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर इसे लेकर पोस्ट भी साझा किया और इसे अभिनंदनीय बताया।

लोस चुनाव से पहले देश में लागू होगा सीएए : शाह

» बोले- सीएए किसी भी व्यक्ति की नागरिकता नहीं छीनेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव की तैयारी में पूरे जोर-शोर से जुट गई है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा है कि चुनाव से पहले पूरे देश में नागरिकता संसोधन अधिनियम (CAA) लागू किया जाएगा। उन्होंने ये बातें ईटी नाउ ग्लोबल बिजनेस समिट के दौरान कही हैं। आपको बता दें कि अप्रैल और मई महीने में चुनाव होने की संभावना है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, मैं साफ कर देना चाहता हूं कि सीएए किसी भी व्यक्ति की नागरिकता नहीं छीनेगा। इसका उद्देश्य केवल धार्मिक उत्पीड़न का सामना कर रहे पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों को नागरिकता देना है। यह वादा मूल रूप से कांग्रेस ने ही उनसे किया था। उन्होंने विपक्ष पर मुसलमानों को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, हमारे मुस्लिम भाइयों को सीएए को लेकर गुमराह किया जा रहा है और भड़काया जा रहा है। सीएए केवल पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के धार्मिक अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए है। आपको बता दें कि हल ही में केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने दावा किया था कि अगले सात दिन के अंदर ही सीएए लागू कर दिया जाएगा। यह विधेयक दिसंबर 2019 में ही संसद में पास हो गया था। इसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने भी विधेयक को मंजूरी दे दी और इसके बाद यह कानून बन गया। यह कानून बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के धार्मिक अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने का भी प्रावधान करता है।

पहले की सरकारों ने की थी चरण सिंह की उपेक्षा : धनखड़

» भारत रत्न दिए जाने के बाद पीएम को दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिम्हा राव और हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न दिए जाने की घोषणा के बाद उन्होंने पूर्व सरकारों को ऐसी महान हस्तियों को सम्मान न दिए जाने को लेकर अपना रोष भी व्यक्त किया। उन्होंने ऐसी महान हस्तियों को सम्मान न दिए जाने पर नाराज की जाहिर की है।

वहीं वर्तमान की केंद्र सरकार द्वारा इस फैसले को लिए जाने के बाद उनकी सराहना भी की। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति पद पर रहते हुए जब मुझे पता चला कि भारत के पांच सपूतों को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार – भारत रत्न दिया जा रहा है, तो मैं नई ऊर्जा से भर गया। पूरा देश और दुनिया उन्हें बहुत अच्छे से जानती है। चरण सिंह का पूरा जीवन गांवों और किसानों के लिए समर्पित था।

हल्द्वानी हिंसा में भाजपा सरकार रही विफल

» अखिलेश बोले- जनता के साथ हो रहा अन्याय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख ने कहा है कि अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार और प्रशासन की विफलता से हिंसा भड़की है। हल्द्वानी में जनता के साथ सरकार अन्याय कर रही है। हिंसा में हुई लोगों की मृत्यु हृदयविदारक है। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही हिंसा पर काबू करे। पीड़ितों को मुआवजा देने की भी उन्होंने मांग की।

बता दें हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में अवैध बनाए गए मदरसा को तोड़ने की कार्रवाई की गई थी, जिस दौरान हिंसा तेजी से भड़क उठी थी। इस घटना में छह दंगाइयों की मौत हो गई है। वहीं हिंसा में कई 100 से अधिक पुलिसकर्मी भी घायल हुए है। वहीं घटना के बाद हालात पर काबू पाने के लिए क्षेत्र में कर्फ्यू लगाया गया था। पूरे क्षेत्र में कर्फ्यू दो दिनों तक लगा रहा। वहीं शनिवार 10 फरवरी की सुबह हल्द्वानी शहर से कर्फ्यू हटाए जाने की सूचना है। वहीं जयंत चौधरी का एनडीए में जाने की खबरों के बीच सपा नेता व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि मेरी उनसे कोई बात नहीं हुई है। ज्ञात हो कि जयंत अभी तक इंडिया गठबंधन का हिस्सा थे। सपा के साथ उनकी सीटों की भी घोषणा हो गई थी। अब जयंत के पाला बदलने से अखिलेश खेमा सकते में है। अभी तक सपा के नेता इस बात को खारिज कर रहे थे कि जयंत एनडीए में जा सकते हैं। इस मुद्दे पर अखिलेश यादव ने चुप्पी तोड़ी है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इधर उनसे (जयंत चौधरी से) बात नहीं हुई हैं। जो बातें होनी हैं, वो सब अखबारों में छप रही हैं। सबकुछ सामने ही है।

फेल हो गई धामी सरकार : बसपा

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा, कि उत्तराखंड राज्य के हल्द्वानी में हुई हिंसा और उसमें जान-माल की क्षति अति-चिंतनीय है। अगर सरकार, प्रशासन व खुफिया तंत्र सतर्क होता तो इस घटना को रोका जा सकता था। मायावती ने इसकी उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक बयान में कहा, अगर सरकार, प्रशासन व खुफिया तंत्र सतर्क होता तो इस घटना को रोका जा सकता था। वहीं उत्तराखंड से सटे उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में भी आए दिन किसी ना किसी मुद्दे को लेकर तनाव की स्थिति बनी रहती है, जिसे समय रहते सरकार को नियंत्रित कर लेना चाहिए ताकि यहां भी शांति व्यवस्था बनी रहे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अब छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं : तौकीर

» सीएम धामी की संपत्ति से हो हल्द्वानी के नुकसान की भरपाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बरेली। बरेली में आईएमसी (इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल) प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने कहा कि जुल्म और ज्यादती की हद हो गई है। अगर हुकूमत दंगा-फसाद कराना चाहती है तो हम तैयार हैं। शुक्रवार को बिहारीपुर करोलान स्थित संगठन के एक पदाधिकारी के आवास पर मौलाना मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि हमें बहुत छेड़ा गया है, अब छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल पर पाबंदी लगाने की मांग भी की। मौलाना ने कहा कि प्रदर्शन में आ रहे उनके समर्थकों को जगह-जगह रोका गया।

उनमें खौफ पैदा करने की कोशिश की गई। यह जुल्म और ज्यादती है। हम गिरफ्तारी का एलान कर हुकूमत को यह दिखाना चाहते थे कि हमें परेशान न करो। हमारे सब्र का लावा फटेगा तो ठीक नहीं होगा। यह प्रदर्शन भी इसीलिए था कि प्रेशर कुकर की तरह जो गैस भर चुकी है, उसे बाइपास कर दिया जाए। हमने सेफ्टी वॉल्व का काम किया है, क्योंकि हम अमन चाहते हैं। मौलाना ने कहा कि मुसलमानों से नफरत क्यों करते हो। हिंदुस्तान की रग में मुसलमान बसा हुआ है। नसों से खून खींच दोगे तो बचेगा क्या? उन्होंने मुफ्ती सलमान अजहरी को रिहा करने की मांग भी उठाई। मौलाना ने कहा कि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देखा कि मुख्यमंत्री रहते नरेंद्र सिंह मोदी ने गुजरात में दंगा कराया, वह प्रधानमंत्री बन गए। इसी लिए धामी भी सोच रहे हैं कि वह भी प्रधानमंत्री बन जाएं।

जयंत बने यूपी की सियासत के 'चौधरी'

भाजपा-रालोद गठबंधन की खबरों ने बढ़ाई सियासी हलचल, आरएलडी को मनाने में जुटी सपा-कांग्रेस, पश्चिमी यूपी में राष्ट्रीय लोकदल का है बड़ा जनाधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में होने वाले लोकसभा चुनावों में अब 100 दिनों से भी कम का समय बाकी रह गया है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो मार्च की शुरूआत में लोकसभा चुनावों की आधिकारिक घोषणा हो सकती है। इसके बाद मार्च अंत और पूरा अप्रैल का महीना चुनावी समर में ही बीतेगा। यही वजह है कि लोकसभा चुनावों को लेकर देश का सियासी पारा गरमाया हुआ है। देश में आए दिन नई सियासी हलचल देखने को मिल रही है। रोज ही सियासी समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। क्योंकि चुनाव करीब आते ही नेताओं व दलों का कूद-फांद करना भी शुरू हो जाता है। जिसकी एक झलक कुछ दिनों पहले बिहार में देखने को मिली। जहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर पलटी मारकर आरजेडी-कांग्रेस के महागठबंधन को तोड़कर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हो गए और एक बार फिर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर फिर मुख्यमंत्री पद की ही शपथ ले ली। हालांकि, अभी नीतीश को विधानसभा में फ्लोर टेस्ट पास करना बाकी है, जो 12 फरवरी को होना है।

बिहार में तो सियासी परिवर्तन हो गया, लेकिन अब सबकी निगाहें लगी हुई हैं देश के सबसे बड़े व प्रमुख राज्य उत्तर प्रदेश पर। क्योंकि वो कहते हैं न कि दिल्ली का रास्ता यूपी से ही होकर जाता है। ऐसे में सबसे अधिक लोकसभा सीटों वाले उत्तर प्रदेश में हर कोई अपनी स्थिति को मजबूत बनाना चाहता है। वैसे तो इस बार भाजपा को चुनौती देने के लिए विपक्षी दलों ने इंडिया गठबंधन की नींव रखी थी। लेकिन चुनाव करीब आते-आते इस विपक्षी गठबंधन की गांठें खुलती जा रही हैं।

यही कारण है कि यूपी में भी अभी तक कांग्रेस-सपा के बीच सीट बंटवारे पर बात फाइनल नहीं हो पाई है। हालांकि, अखिलेश ने राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और अमेठी-रायबरेली में शामिल होने पर भी हामी भर दी है। लेकिन सीट बंटवारे पर बात नहीं हुई है। तो वहीं दूसरी ओर जो राष्ट्रीय लोकदल पिछले कुछ एक चुनावों से सपा के साथ रही और अखिलेश के कंधे से कंधा मिलकर जयंत चौधरी चलते रहे हैं। इस बार भी कुछ दिन पहले अखिलेश ने आरएलडी के साथ सीट बंटवारे पर बात फाइनल की थी और आरएलडी तो 7 सीटें दी थीं। लेकिन अब अचानक ये चर्चा सियासी गलियारों में फैलती जा रही है कि जल्द ही जयंत चौधरी भी सपा व इंडिया गठबंधन का साथ छोड़कर भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में जाने वाले हैं। इसी बीच चौ. चरण सिंह को भारत रत्न का ऐलान होने से ये संभावनाएं और भी गहरी हो जाती हैं कि जयंत जल्द ही एनडीए के होने वाले हैं। हालांकि, समाजवादी पार्टी की ओर से अखिलेश यादव से लेकर पार्टी के तमाम नेता ये ही दावा कर रहे हैं कि जयंत हमारे साथ थे, हैं और रहेंगे। तो वहीं दूसरी ओर खुद जयंत चौधरी भी इस पूरे मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। वो न तो भाजपा के साथ जाने की बात को स्वीकार कर रहे हैं और न ही इंकार कर रहे हैं। ऐसे में जयंत को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। तो वहीं जयंत के जाने के डर से सपा और कांग्रेस ने जयंत पर डोरे डालने भी शुरू कर दिए हैं। इसलिए अब जयंत चौधरी पश्चिमी यूपी की राजनीति का प्रमुख केंद्र बन गए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वेस्ट की अधिकतर सीटों पर जाट वोटर चुनाव को प्रभावित कर सकते हैं।

सपा-कांग्रेस की बढ़ीं चिंताएं

इसको देखते हुए ही सपा व कांग्रेस के तेवर भी ढीले हुए हैं और वे भी जयंत को मनाने में जुटे हैं। वेस्ट यूपी की बागपत, कैराना, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बुलंदशहर, गाजियाबाद, बिजनौर, नोएडा, अमरोहा, मुरादाबाद, संभल, पीलीभीत, बरेली, आंवला, बदांयू, मथुरा, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, आगरा, अलीगढ़, हाथरस सीटों पर जाट वोटर हैं। इनमें अधिकतर सीटों की यह स्थिति है कि वहां जाट वोटर चुनाव प्रभावित कर सकता है और जाटों को सबसे ज्यादा रालोद के साथ माना जाता है। ऐसे में रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी की एनडीए के साथ जाने को लेकर बातचीत शुरू हुई तो सपा व कांग्रेस को चुनावी गणित गड़बड़ाने की चिंता हो गई है। इसलिए अब वह भी जयंत को मनाने में जुट गए हैं। यह कहा जा रहा है कि जयंत के साथ तय हुई सात सीटों में सपा जहां अभी तक तीन पर अपने प्रत्याशी उतारने का दबाव बना रही थी, वहीं अब वह रालोद के प्रत्याशी ही उतारने के लिए राजी हो गई है। जबकि कांग्रेस भी राजस्थान में एक लोकसभा सीट देने को तैयार है। लेकिन अब हर किसी की नजर जयंत पर टिकी है कि वह किस तरफ रुख करते हैं।

सपा के साथ बिगड़ी बात

रालोद पार्टी व नल के निशान के साथ काफी सीटों पर जाट भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं। इसलिए ही माना जा रहा है कि सपा अपने प्रत्याशियों को रालोद के सिंबल पर उतारना चाहती थी। वह कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर सीट पर अपने प्रत्याशी को रालोद के सिंबल पर उतारने की पूरी तैयारी कर चुके थे। इस पर ही विवाद बढ़ा और सपा का यह दांव उस पर ही भारी पड़ गया। जयंत अगर एनडीए के साथ चले जाते हैं तो छपरौली में जल्द ही बड़ा कार्यक्रम होगा। जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी अजित सिंह की मूर्ति का अनावरण होगा। इसके साथ ही हरियाणा-यूपी को जोड़ने के लिए यमुना पर बने पुल का उद्घाटन हो सकता है।

सपा का होगा नुकसान

अगर रालोद का भाजपा के साथ गठबंधन हुआ तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सपा का गणित लोकसभा चुनाव में गड़बड़ा जाएगा। दरअसल, रालोद के पास जाटों का और सपा के पास मुस्लिमों का बड़ा वोट बैंक हैं। जब दोनों मिलकर चुनाव लड़ते हैं तो इन दोनों के अलावा अन्य जातियों के वोट भी मिल जाते हैं। इससे सीट निकल जाती है। पिछली बार सपा-बसपा और रालोद मिलकर लोकसभा चुनाव लड़े थे और बसपा ने तीन सीटें जीती थीं। रालोद के फिलहाल नौ विधायक हैं। विधानसभा में सपा-रालोद मिलकर चुनाव लड़े थे। इसका फायदा भी इन्हें मिले था। सपा-रालोद गठबंधन का ही असर था कि पिछले विधानसभा चुनाव में चार सीटों इन्हें जीत मिली थी, जबकि इससे पहले सिर्फ एक सीट ही निकाल पाए थे। ऐसे में साफ है कि अगर रालोद और भाजपा का गठबंधन होता है तो इससे सपा को लोकसभा चुनाव में तगड़ा झटका लगेगा। उनसे रालोद का जाट वोट बैंक खिसक जाएगा। इसका लाभ सपा को नहीं मिला पाएगा।

रालोद-भाजपा दोनों दलों को मिलेगी मजबूती

अगर रालोद-भाजपा एकसाथ आ गए तो निश्चित ही इसका लाभ इन दोनों ही पार्टियों को मिलेगा और भाजपा के लिए कुछ एक सीटों पर राह और भी आसान हो जाएगी। गन्ना और किसान पट्टी होने से मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद सहित वेस्ट यूपी की पट्टी निर्णायक है। यहां पर रालोद मजबूत है। 2009 में जब रालोद और भाजपा मिलकर लड़े थे तब रालोद के पांच सांसद बने थे। लेकिन वर्तमान समय में लोकसभा में रालोद का आंकड़ा जीरो पर है। मेरठ, सहारनपुर, मुरादाबाद मंडल की 14 सीटें हैं और 2019 के चुनाव में भाजपा ने 14 में से सात सीटें ही जीती थी। रामपुर की सीट बाद में उपचुनाव में भाजपा के पास आ गई। अन्य पर सपा-बसपा गठबंधन की जीत हुई थी। रालोद का सफाया हो गया है। ऐसे में माना जा रहा है कि अब यदि भाजपा और रालोद की दोस्ती पक्की हो गई तो दोनों पार्टियों को लाभ होगा।

रालोद का लोकसभा में खाता खुल जाएगा। भाजपा को और मजबूती मिलेगी। वहीं रालोद इसलिए भी भाजपा के साथ जा सकती है क्योंकि उसके लिए 2014 और 19 अच्छा नहीं रहा है। पश्चिमी यूपी में 2014 में रालोद आठ सीटों पर चुनाव लड़कर भी एक भी सीट पर जीत हासिल नहीं कर पाई थी। इसी तरह 2019 के लोकसभा चुनाव में 14 सीटों में भाजपा ने सात और सपा-बसपा ने तीन-चार सीटों पर जीत हासिल की थी। 2019 में सपा और बसपा के साथ गठबंधन में तीन सीटों पर चुनाव लड़ने वाली रालोद को एक भी सीट पर जीत नहीं मिल पाई थी। विधानसभा में तो सपा गठबंधन में रालोद को लाभ हुआ, लेकिन लोकसभा चुनाव में इस गठबंधन में रालोद को नुकसान हुआ है। अब ऐसी स्थिति में भाजपा-रालोद की बात बन जाती है तो पश्चिमी यूपी की राजनीति में भारी उलट-फेर होना तय है।

हेमा मालिनी का क्या होगा!

भाजपा-रालोद का गठबंधन हुआ और मथुरा लोकसभा सीट रालोद के खाते में गई तो वर्तमान सांसद हेमा मालिनी का क्या होगा, इसे लेकर भी लोगों में चर्चा कि हेमा को चुनाव लड़ाया जाएगा या नहीं या उन्हें कोई अन्य जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। दरअसल, साल 2014 में भाजपा ने मथुरा से हेमा मालिनी को लड़ाया था। उनके सामने चुनाव लड़ रहे जयंत चौधरी को 3,30,743 वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में रालोद ने कुंवर नरेंद्र सिंह को गठबंधन प्रत्याशी घोषित किया था। यह पहला मौका था जब चौधरी परिवार ने जाट बहुल मथुरा संसदीय क्षेत्र से किसी गैर जाट पर दांव खेला था। लेकिन इस बार भी भाजपा की हेमा मालिनी ने विरोधी प्रत्याशी को 2,93.471 वोटों से हरा दिया था। ऐसे में अगर जयंत भाजपा के साथ जाते हैं और मथुरा सीट रालोद को मिलती है तो हेमा मालिनी का क्या होगा ये भी एक बड़ा सवाल है।

चर्चा का केंद्र बनी मथुरा सीट

दूसरी ओर भाजपा-रालोद के गठबंधन की खबरों ने मथुरा की राजनीति में भी हलचल पैदा कर दी है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि गठबंधन हुआ और मथुरा लोकसभा सीट रालोद के हिस्से में गई तो 2009 की तरह एक बार फिर जयंत चौधरी यहां से चुनाव लड़ सकते हैं। रालोद को न सिर्फ मथुरा बल्कि प्रदेश के अन्य जाट बहुल सीटों पर भी खोई जमीन वापस मिल जाएगी। इधर, सपा खेमे में भी खलबली है। अब तक सपा-रालोद गठबंधन के तहत मथुरा की सीट रालोद के खाते में है। 19 लाख से अधिक मतदाताओं वाली इस सीट को साढ़े तीन लाख के करीब जाट मतदाता होने के कारण मिनी छपरौली भी कहा जाता है। 2009 में रालोद ने जयंत चौधरी को भाजपा के साथ गठबंधन में इसी सीट से लांच किया था। ब्रजवासियों ने उन्हें संसद में पहुंचाया, लेकिन वह भाजपा की सरकार न बनने के कारण कांग्रेस के साथ चले गए थे।

मथुरा का जातीय समीकरण

मथुरा लोकसभा सीट पर करीब 19.23 लाख मतदाता हैं। इनमें करीब साढ़े तीन लाख जाट, करीब तीन लाख ब्राह्मण-ठाकुर, करीब डेढ़ लाख एससी, इतने ही वैश्य, करीब सवा लाख मुस्लिम और 70 हजार के आसपास यादव मतदाता हैं। जबकि अन्य जातियों के करीब चार लाख वोटर हैं। मथुरा लोकसभा सीट का वर्ष 1957 से रिकॉर्ड देखें तो अब तक भाजपा ने अकेले लड़ते हुए छह बार जीत हासिल की है। वहीं, कांग्रेस ने 4 बार जीत हासिल की है। सपा और बसपा का अब तक खाता भी नहीं खुला है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मोदी ने जीत लिया जयंत का दिल...

चरण सिंह को भारत रत्न देकर भाजपा ने एक बड़ा दांव खेला है। क्योंकि चरण सिंह को भारत रत्न देने की मांग रालोद लंबे वक्त से कर रही है और एनडीए में जाने के लिए रालोद ने जो अपनी मांगे रखीं थीं, उनमें से एक मांग ये भी थी। ऐसे में अब चरण सिंह को भारत रत्न मिलने से जयंत चौधरी का सपा का साथ छोड़कर एनडीए में जाने का रास्ता लगभग साफ ही हो गया।

भाजपा इस बार के लोकसभा चुनावों में 400 पार के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। इसके लिए भाजपा हर पैंतरा आजमा रही है। फिर वो चाहें आधे-अधूरे मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करा देना हो या फिर विपक्ष को कमजोर करने के लिए विपक्षी नेताओं पर सरकारी एजेंसियों के द्वारा दबाव बनाना और उन्हें जेल में डालना हो। भाजपा कुछ भी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसी क्रम में भाजपा अब सम्मानों के जरिए भी सियासी समीकरण साध रही है। पहले कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर बिहार में ओबीसी को साधा, फिर आडवाणी के जरिए संगठन में नाराजगी मिटाने का काम किया। अब एक बार फिर एकसाथ तीन हस्तियों को भारत रत्न देने का ऐलान कर भाजपा ने एक बड़ा दांव चला है। इस बार जिन तीन शख्सियतों को भारत रत्न दिया है उनमें पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव, पूर्व पीएम चौधरी चरण सिंह और हरित क्रांति के जनक डॉ. एमएस स्वामीनाथन के नाम शामिल हैं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा हो रही चौधरी चरण सिंह की। चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि चरण देश के बड़े किसान नेता रहे हैं, किसानों की भलाई के लिए वो पूरी जिंदगी संघर्षरत रहे। वहीं चरण सिंह राष्ट्रीय लोकदल के मुखिया जयंत चौधरी के दादा भी लगते हैं। और पिछले कुछ दिनों से जयंत चौधरी के भाजपा समर्थित एनडीए गठबंधन में जाने की चर्चाएं भी सियासी गलियारों में आग की तरह फैल रही हैं। ऐसे में चरण सिंह को भारत रत्न देकर भाजपा ने एक बड़ा दांव खेला है। क्योंकि चरण सिंह को भारत रत्न देने की मांग रालोद लंबे वक्त से कर रही है और एनडीए में जाने के लिए रालोद ने जो अपनी मांगे रखीं थीं, उनमें से एक मांग ये भी थी। ऐसे में अब चरण सिंह को भारत रत्न मिलने से जयंत चौधरी का सपा का साथ छोड़कर एनडीए में जाने का रास्ता लगभग साफ ही हो गया है। तभी जयंत ने इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'दिल जीत लिया।' वहीं भाजपा के साथ जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि अब किस मुंह से करूं इंकार। ऐसे बयानों के बाद तो अब ये साफ ही है कि सपा और इंडिया गठबंधन को नीतीश और ममता के बाद अब एक और झटका लगने वाला है। जयंत अपनी आरएलडी को लेकर भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन में जाने का ऐलान जल्द ही कर सकते हैं। तो वहीं चरण सिंह को भारत रत्न देकर भाजपा ने जयंत से इतर देश के अन्नदाता किसानों को भी साधने का प्रयास किया है। क्योंकि किसान कृषि कानून लाने के बाद से ही भाजपा से नाराज हैं। तो वहीं एक बार फिर किसानों ने एक बड़ा आंदोलन करने की भी चेतावनी दी है। ऐसे में लोकसभा चुनावों से ठीक पहले चरण सिंह जैसे बड़े किसान नेता को देश का सर्वोच्च सम्मान देकर भाजपा ने एक बड़ा दांव खेला है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कोलंबो की राजनीतिक बिसात पर भारतीय दांव

पुष्परंजन

क्यों और किसलिए भारत सरकार के अतिथि के रूप में श्रीलंका के वामपंथी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी या पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट) के नेता अनुरा कुमारा दिसानायक के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल 5 फरवरी को तीन दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचा? अब इस रणनीति के दूसरे हिस्से को ध्यान से देखना-समझना होगा। अनुरा कुमारा दिसानायक 27 अक्तूबर, 2023 को लॉस एंजिलिस गये थे। उससे पहले उनकी मुलाकात अमेरिकी राजदूत जुलिये चुंग से 19 अक्तूबर, 2023 को कोलंबो में हुई थी। मई, 2023 से वो लगातार अमेरिकी राजदूत से मिलते रहे। श्रीलंका के अल्ट्रा लेफ्ट नेता अनुरा कुमारा दिसानायक में भारतीय व अमेरिकी सत्ता प्रतिष्ठानों की दिलचस्पी के मायने तलाशने में दुनिया की बड़ी शक्तियां लग गई हैं।

साल 2023 में जेवीपी के हृदय परिवर्तन से सबको हैरानी हुई थी। ये वो लोग हैं, जिन्होंने 29 जुलाई, 1987 को हुए भारत-श्रीलंका समझौते का विरोध करते हुए एक सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व किया था। इनके एजेंडे में तथाकथित 'भारतीय विस्तारवाद' का विरोध कूट-कूट कर भरा था। इन्होंने भारतीय सामानों का बहिष्कार से लेकर यहां की साड़ी तक धारण करने पर रोक लगा दी थी। दिसंबर, 2023 में एक इंटरव्यू के जरिये जनता विमुक्ति पेरामुना के रुख में बदलाव को स्वीकार करते हुए दिसानायक ने कहा था, 'हम जानते हैं कि भारत, जो हमारा निकटतम पड़ोसी है, एक प्रमुख राजनीतिक-आर्थिक केंद्र बन गया है। इसलिए भारत के प्रभाव को हम नकार नहीं सकते।'

दिसंबर, 2014 में एनएसए अजीत डोभाल 'गाले डॉयलॉग' के वास्ते श्रीलंका गये थे, तब उन्होंने हिंद महासागर को शांति क्षेत्र बनाये जाने की परिकल्पना पर जोर दिया था। दिसंबर, 2023 में एक बार फिर अजीत डोभाल श्रीलंका कोलंबो सिक्योरिटी कांक्लेव में गये और क्षेत्रीय सुरक्षा की बात की। अजीत डोभाल का इस बीच श्रीलंका के शिखर नेताओं से लगातार मिलना-जुलना रहा है, जिनमें वामपंथी नेतृत्व भी है। नई दिल्ली में इस सप्ताह जेवीपी के नेता अनुरा कुमारा दिसानायक की मेहमाननवाजी इसी रणनीति का हिस्सा लगता है। जेवीपी प्रतिनिधिमंडल विदेशमंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात के बाद अहमदाबाद और तिरुवनंतपुरम की ओर रवाना हो गया। इन जगहों पर वामपंथी शिष्टमंडल को कृषि और उद्योग केंद्रों का अवलोकन करना है। सरकारी अधिकारियों व व्यापारिक समुदाय के सदस्यों के साथ

बैठक के बाद 8 फरवरी को इनकी वतन-वापसी है।

क्या इन्हें विश्वगुरु भारत से दीक्षा लेने की आवश्यकता चुनावी व्यूह के वास्ते आन पड़ी है, या चुनाव के वास्ते मोटा फंड चाहिए? कोलंबो स्थित शोध संस्थान, 'इंस्टिट्यूट फॉर हेल्थ पॉलिसी' के हालिया सर्वेक्षण से पता चला कि 2024 के अंत में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए अनुरा कुमारा दिसानायक सबसे पसंदीदा उम्मीदवार हैं। सर्वेक्षण में 50 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे दिसानायक के लिए मतदान करेंगे, उसके बाद साजिथ प्रेमदास को 33 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया है, और तीसरे नंबर पर रहे राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को नौ प्रतिशत लोगों ने इस पद के लाय? समझा है। श्रीलंका की सत्ता में वामपंथी विकल्प बन सकते हैं, ऐसा पहली बार माहौल बना है।

1935 में स्थापित देश की पहली वामपंथी ट्रॉट्स्कीवादी 'लंका समा समाज पार्टी' थी। वह पार्टी देश के स्वतंत्रता आंदोलन में एक प्रमुख राजनीतिक ताकत बन गई, जो 1948 में सफल हुई। लंका समा समाज पार्टी ने 1953 की हड़ताल का नेतृत्व करने में कम्युनिस्ट पार्टी के साथ मिलकर चावल सब्सिडी को समाप्त करने के सरकार के प्रस्ताव का सफलतापूर्वक विरोध किया, जिस पर कई श्रीलंकाई लोग भरोसा करते थे। लेकिन तीन दशक बीत जाने के बाद भी श्रीलंका में वामपंथियों को सत्ता में आने का अवसर नहीं मिल पाया। धान उत्पादन और भूमि सुधार वादा पूरा नहीं हुआ, देखते ही देखते स्थिति हिंसक हो गई। कालांतर में माओवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक गुट ने जनता विमुक्ति पेरामुना का गठन किया, जिसके कारण 1971 में ग्रामीण गरीबी और बेरोजगारी से परेशान सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह हुआ, जिसे शासन ने कुचल दिया। वर्ष 1978 में जेआर जयवर्धने के राष्ट्रपति बनने के बाद भी तनाव जारी रहा, जब श्रीलंका ने बाजार-संचालित अर्थव्यवस्था शुरू की। वर्ष 1980 की आम हड़ताल में जब कई वामपंथी दलों और ट्रेड यूनियन नेताओं ने वेतन वृद्धि की वकालत की, तो शासन ने ट्रेड यूनियन आंदोलन को कुचलने के लिए बल का प्रयोग किया। जयवर्धने ने 1983 में तमिल विरोधी दंगों के बाद जनता विमुक्ति पेरामुना पर प्रतिबंध लगा दिया था। वर्ष 1987 से 1989 तक सरकार द्वारा प्रांतीय परिषद प्रणाली शुरू करने और भारतीय शांति सेना के आगमन के जवाब में पार्टी ने दूसरा विद्रोह शुरू किया, जिसमें हत्याएं, लोगों को गायब करना और यातनाएं शामिल थीं। लेकिन ठीक से देखा जाए, तो इस आईलैंड नेशन में वामपंथ लगातार विभाजित होता रहा है। वर्ष 2012 में कुछ सदस्यों ने फ्रंटलाइन सोशलिस्ट पार्टी बनाने के लिए पार्टी छोड़ दी। वर्ष 2018 में जनता विमुक्ति पेरामुना के नेता ने नेशनल पीपुल्स पावर नामक चुनावी गठबंधन बनाया और दो साल बाद, पार्टी ने संसद में 225 में से तीन सीटें जीतीं।

उत्तराखंड में कानून बनने के यक्ष प्रश्न

जयसिंह रावत

उत्तराखंड विधानसभा से समान नागरिक संहिता यानी कॉमन सिविल कोड (यूसीसी) का विधेयक पास करवाना देश में इस संहिता को लागू कराने का ट्रायल माना जा सकता है। क्योंकि बिना राष्ट्रपति या केन्द्र सरकार की अनुमति से न तो यह संहिता लागू हो सकती है और न ही उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बिना केन्द्रीय नेतृत्व की सहमति के इतने बड़े मुद्दे को छेड़ सकते थे। माना जाता है कि पंडित नेहरू ने भी 1951-52 का आम चुनाव समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर लड़ा था जिसका उन्हें लाभ मिला और उन्होंने 1955 और 56 में हिन्दुओं से संबंधित समान नागरिक संहिताएं पारित करवा दीं। परिस्थितियां देखकर साफ लगता है कि लोकसभा चुनाव से पूर्व समान नागरिक संहिता का ट्रायल उत्तराखंड में किया जा रहा है।

यूसीसी पर सुशील मोदी की अध्यक्षता में गठित 17 सदस्यीय कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय पर संसद की स्थायी समिति की 3 जुलाई, 2023 की बैठक के बाद सुशील मोदी ने प्रेस को बताया था कि इस संहिता से जनजातियों को अलग किया जा सकता है और यही प्रावधान उत्तराखंड की समान नागरिक संहिता में भी किया गया है। यूं भी धामी सरकार का यूसीसी विधेयक पास करवाने का कदम बिना अमित शाह के मार्ग दर्शन के नहीं है। नागरिक संहिता की ड्राफ्ट कमेटी ने 2 जून, 2023 को दिल्ली में 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष जस्टिस ऋतुराज अवस्थी से भेंट की थी। इसके बाद जस्टिस रंजना देसाई ने मुख्यमंत्री धामी के साथ 3 जुलाई 2023 को इस संबंध में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उसके अगले ही दिन मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद प्रेस से बातचीत करते हुए बताया था कि प्रधानमंत्री उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता की तैयारियों से अवगत हैं।

जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता वाली कमेटी की 2 जून को 22वें विधि आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात के बाद 14 जून को आयोग द्वारा समान नागरिक संहिता पर जन साधारण और धार्मिक संगठनों से राय शुमारी करना भी केन्द्र सरकार की इस संहिता को लागू करने के प्रति बढ़ती रुचि के साथ ही सरकार के उत्तराखंड की नागरिक संहिता से सीधे लिंक को ही दर्शाता है। यही नहीं, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि देसाई कमेटी जून तक अपनी रिपोर्ट दे देगी। लेकिन कमेटी की रिपोर्ट का इतने विलम्ब से 2 फरवरी को आने का मतलब विधि आयोग और गृह मंत्रालय के सामंजस्य से रिपोर्ट को ऐसा बनाना भी हो सकता है जो कि स्वयं केन्द्र सरकार के काम आये।

जस्टिस ऋतुराज की अध्यक्षता में 21 फरवरी, 2020 को 22वें विधि आयोग का गठन 3 साल के लिये हुआ था जिसका कार्यकाल फरवरी 2023 में पूरा होने के बाद उसे 31 अगस्त, 2024 तक का विस्तार दिया गया है। वर्तमान आयोग के समक्ष विधि मंत्रालय द्वारा समान नागरिक संहिता के मामले को संदर्भित किया गया है। आयोग को अपने मूल कार्यकाल की समाप्ति के बाद अब यूसीसी पर तत्परता दिखाने का सीधा मतलब भारत सरकार का इस मुद्दे को प्राथमिकता में लाना है। वहीं सरकार का इस विषय पर इतनी रुचि दिखाने का मतलब आगामी लोकसभा चुनाव ही हो सकता है।

संविधान के नीति निर्देशक तत्व संख्या 44 में सरकार से भारत के पूरे क्षेत्र के अंदर समान नागरिक संहिता लागू करने की अपेक्षा की गयी है। मौलिक अधिकारों संबंधी रुकावटों, देश की सांस्कृतिक विविधता और अनुसूची 5 और 6 की विशेष परिस्थितियों के कारण भारत की सरकारें अब तक इसे लागू नहीं कर सकीं। मोदी सरकार धारा 370 को हटाने का बहुत मुश्किल काम आसानी से कर गयी। लेकिन वह भी देश की धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता तथा संवैधानिक प्रावधानों को देखते हुये यूसीसी को लेकर ठिठक गयी। यह संहिता आस्था और धार्मिक परम्पराओं के मौलिक अधिकारों से संबंधित है। भारत के धर्मनिरपेक्ष चरित्र से भी जुड़ी है और सुप्रीम कोर्ट की सबसे बड़ी बेंच 1973 में कह चुकी है कि संसद के पास संविधान संशोधन के व्यापक अधिकार तो हैं लेकिन असीमित अधिकार नहीं हैं। यह भी कि संविधान की मूल भावना से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। अगर ऐसा होता है तो सुप्रीम कोर्ट को ऐसे संशोधनों की समीक्षा का अधिकार है। इसलिये उत्तराखंड की यूसीसी को भी कोर्ट में चुनौती मिल सकती है।

जहां तक उत्तराखंड में यूसीसी का सवाल है तो राज्य विधानसभा को कानून बनाने का अधिकार है मगर संविधान के दायरे से बाहर जाने का हक नहीं। यह विषय संविधान की समवर्ती सूची का है। समवर्ती सूची के विषयों पर संसद के साथ ही विधानसभा भी कानून बना तो सकती है लेकिन अगर दोनों के कानून टकराते हैं तो राज्य का कानून स्वत: अमान्य हो जायेगा। चूंकि इस विषय पर पहले ही संसद द्वारा पारित हिन्दू मैरिज एक्ट और मुस्लिम पर्सनल लॉ जैसे कानून मौजूद हैं, जिन्हें बदलने का अधिकार राज्य विधानसभा को नहीं है। लेकिन अगर समवर्ती सूची में राज्य विधानसभा द्वारा पारित कानून को राष्ट्रपति अनुमति देते हैं तो वह कानून उस राज्य की सीमा के अंदर लागू हो सकता है। इस यूसीसी में मौलिक अधिकारों के पक्ष के साथ ही लिव इन रिलेशन, सम्पत्ति का उत्तराधिकार, सरकारी कर्मचारियों तथा दूसरे राज्यों में रह रहे प्रवासियों पर बंदिशें जैसी कुछ ऐसी खामियां हैं जो अदालती हस्तक्षेप के लिये पर्याप्त कारण हैं। ऐसा लगता है कि केन्द्र सरकार उत्तराखंड में यह संहिता परखना चाहती है कि इसके सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक प्रभाव क्या हो सकते हैं।

डैंड्रफ में रामबाण हैं ये चीजें

बालों में डैंड्रफ की समस्या सर्दियों में और बढ़ जाती है। इसके लिए बालों को झड़ने से बचाने के लिए कुछ उपाय आपके लिए काम कर सकते हैं। सर्दियों के मौसम में गरम पानी से नहाने से बालों की स्कैल्प ड्राई होने लगती है, जिससे बाल झड़ने की समस्या हो सकती है। इसलिए बालों को झड़ने से बचाने के लिए नेचुरल चीजें उपयोग करें। बालों में डैंड्रफ की समस्या वैसे तो आम है। लेकिन सर्दियों में ये समस्या हमारे लिए और सिरदर्दी बन जाती है। अगर आप भी इस समस्या से निपटने के लिए अब तक कई तरीके आजमा चुके हैं, और फायदा नहीं हुआ है, तो ये उपाय आपके काफी काम आएगा। खूबसूरत बाल न सिर्फ दिखने में अच्छे लगते हैं, बल्कि हमारी सुंदरता में भी चार चांद लगाने का काम करते हैं। लेकिन कई बार बदलते मौसम की मार या फिर गलत ब्यूटी प्रोडक्ट्स के चयन से बालों में डैंड्रफ की समस्या होने लगती है। जिसका अगर समय पर इलाज न हो, तो स्कैल्प में एलर्जी होने से लेकर बाल तक झड़ जाते हैं।

तेल के अन्य फायदे

कपूर का तेल नियमित रूप से अपने चेहरे या फिर स्किन पर लगाने से एक्ने की परेशानी दूर हो सकती है। इतना ही नहीं, यह फोड़े-फुंसी या फिर मुंहासे की परेशानी को कम करने में भी लाभकारी हो सकता है। पैरों के लिए भी कपूर का तेल बहुत ही लाभकारी हो सकता है। इसके लिए एक टब में गुनगुना पानी लें। अब इसमें कपूर के तेल की कुछ बूंदे डाल दें। इसके बाद इस पानी में कुछ समय के लिए अपना पैर डुबोएं। जब पैर अच्छी तरह से भीग जाए, तो इससे अपनी एड़ियों को निकालकर साफ करें। इससे फटी हुई एड़ियों की परेशानी दूर होगी। साख ही यह पैरों में फैल रहे इंफेक्शन की समस्या को भी दूर कर सकता है। जले-कटे या फिर स्किन के पुराने से पुराने निशान को दूर करने में कपूर का तेल फायदेमंद हो सकता है। इससे कटे-जले का निशान कम होगा। इसके लिए प्रभावित क्षेत्र पर कुछ दिनों तक कपूर का तेल लगाएं। इससे आपको काफी लाभ मिलेगा।

कपूर से बनाएं हेयर ऑयल

डैंड्रफ की समस्या के लिए एक कारगर उपाय है। इसके लिए आप 2 - 3 भीमसेनी कपूर को अच्छे से क्रश करके, फिर एक बाउल में इसे डालकर इसमें आधा नींबू का रस डालकर अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें एक कप के करीब गरम नारियल का तेल मिलाकर इसे हफ्ते में तीन दिन अपने बालों में 45 मिनट के लिए अप्लाई करें। फिर माइल्ड शैंपू से बालों को धो लें। इससे आपको काफी आराम मिलेगा। झड़ते, टूटते और कमजोर बालों के लिए कपूर का तेल लाभकारी हो सकता है। इसके साथ ही 1 कटोरी दही में कपूर तेल की कुछ बूंदों को मिक्स करे भी बालों पर लगाया जा सकता है। इससे आपको काफी लाभ मिलेगा। स्किन और बालों पर कपूर का तेल लगाने से काफी लाभ मिलता है। मार्केट में मौजूद कपूर का तेल खरीदने से बेहतर है कि आप इसे घर पर तैयार करें। इससे आपको दोगुना लाभ मिल सकता है। हालांकि, ध्यान रखें कि अगर आपको कपूर से एलर्जी है, तो इस तेल का इस्तेमाल न करें।

तेल ऐसे करता है काम

असल में भीमसेनी कपूर में एंटीफंगल प्रोपर्टीज होती हैं, जो फंगस की ग्रोथ को बढ़ने से रोकने में मददगार है। साथ ही इसकी कूलिंग प्रोपर्टीज स्कैल्प को ठंडक पहुंचाकर जलन को कम करने में मददगार है। और जब हम इसे अपने बालों में अप्लाई करते हैं, तो ये हेयर फोलिकल्स को खोलने में मदद करने के साथ बालों की ग्रोथ में भी सहायक होता है। वहीं नींबू का रस अपनी एसिडिक प्रोपर्टीज के कारण स्कैल्प के पीएच लेवल को बैलेंस में रखकर फंगस की ग्रोथ को रोकने का काम करता है। तो हुआ न इजी टू मेक के साथ असरदार भी। रूसी की समस्या से निपटने के लिए कपूर और नारियल से बना तेल काफी राहत दिलाता है। अपने खान-पान में हेल्दी चीजों को शामिल करने के अलावा आप कपूर के तेल से सिर की नियमित मालिश करें। इसके अलावा ये त्वचा पर कोई एलर्जी है या फंगल इंफेक्शन है, तो नारियल तेल के साथ कपूर मिलाकर उस जगह पर लगाएं। एक बार उपयोग करने के बाद, आप इसका प्रभाव देख सकते हैं।

ये भी चीजें हैं जिम्मेदार

सिर्फ ड्राई या ऑयली स्कैल्प ही नहीं, बल्कि सेबोरहाइक और मलेसेजिया जैसे फंगल इंफेक्शन भी डैंड्रफ के लिए जिम्मेदार होते हैं। कई बार हार्मोनल परिवर्तन होने की वजह से भी स्कैल्प ड्राई होने लगती है। वहीं हेल्दी डाइट जिसमें प्रोटीन, आयरन, फाइबर व हेल्दी फैट्स का अभाव होने की वजह से बाल कमजोर होने के साथ स्कैल्प पर पपड़ी जमनी शुरू हो जाती है। ऐसे में कुछ ऐसी नेचुरल चीजें हैं , जिससे आप आसानी से डैंड्रफ की समस्या से छुटकारा पा सकती हैं। प्रोटीन मसल्स बनाने से लेकर स्किन को हेल्दी रखने तक के लिए जरूरी है। बढ़ती उम्र में प्रोटीन की जरूरत ग्रोथ के लिए होती है तो बढ़ती उम्र में बॉडी टिशूज़ की मरम्मत और मेंटेनेंस के लिए।

हंसना मना है

गोलू: रात भर मुझे नींद नहीं आई। मोलू- क्यों? गोलू- रात भर मैंने सपने में देखा कि मैं जाग रहा हूं।

एक लड़की का फोन टॉयलेट में गिर गया। टॉयलेट से जिन्न प्रकट हुआ.. जिन्न ने लड़की को गोल्ड का फोन दिया और कहा ये लो तुम्हारा फोन, लड़की ने 'कुल्हाड़ वाली कहानी सुन रखी थी। इसलिए ईमानदारी का परिचय देते हुए कहा: ये सोने का फोन मेरा नहीं है। जिन्न: पगली रुलाएगी क्या? धो के देख तेरा ही है।

राजू पहाड़ों पर पैराशूट बेच रहा था, ग्राहक: अगर पैराशूट नहीं खुला तो? राजू: तो आपके पूरे पैसे वापिस।

पति: तुम मुझे दो ऐसी बातें बोलो, जिनमें से एक को सुनकर मैं खुश हो जाऊं। और दूसरी को सुनकर नाराज हो जाऊं, पत्नी: तुम मेरी जिंदगी हो और दूसरी बात लानत है ऐसी जिंदगी पर।

मां: बेटा क्या कर रहे हो? बेटा: पढ़ रहा हु मां.. मां: शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा: आपकी होने वाली बहु के एसएमएस। दे थप्पड़, दे थप्पड़!

गर्लफ्रेंड ने मुझसे पूछा चाहोगे मुझे कब तक, मैंने भी मुस्कुराके कह दिया, मेरी बीवी को न पता चले तब तक।

कहानी — हंस और मूर्ख कछुआ

एक जंगल के बीचों-बीच एक तलाब था, जहां जानवर आकर अपनी प्यास बुझाया करते थे। उसी तालाब में एक कछुआ भी रहता था। वह फालतू की बातें बहुत करता था, इसलिए सभी जानवरों ने उसका नाम बातूनी कछुआ रखा हुआ था, लेकिन दो हंस उसके बहुत अच्छे दोस्त थे, जो हमेशा उसका भला चाहते थे। एक बार गर्मी के मौसम में तालाब का पानी धीरे-धीरे सूखने लगा। जानवर पानी पीने के लिए तरसने लगे। यह देखकर हंसों ने कछुए से कहा कि इस तालाब का पानी कम हो रहा है और हो सकता है कि यह बहुत जल्दी सूख जाए। तुम्हें यह तालाब छोड़कर कहीं और चले जाना चाहिए। इस पर कछुए ने कहा कि मैं यह तालाब छोड़कर कैसे जा सकता हूं और यहां आसपास कोई तालाब भी नहीं है, लेकिन हंस अपने दोस्त का भला चाहते थे। उन्होंने अपने दोस्त की मदद करने के लिए एक तरकीब निकाली। दोनों हंसों ने कहा कि हम एक लकड़ी लेकर आते हैं, तुम अपने मुंह से उसे बीच में से पकड़ लेना और लकड़ी का एक-एक सिरा हम दोनों पकड़कर तुम्हें यहां से दूर एक बड़े तालाब में ले जाएंगे। उस तलाब में बहुत सारा पानी है और वो कभी नहीं सूखता। कछुआ उनकी बात मान गया और हंसों के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। उड़ने से पहले हंसों ने उसे चेतावनी दी कि वह रास्ते में कुछ भी न बोले। जब हम बड़े तालाब पर पहुंच जाएंगे, तब ही उसे जो बोलना है बोल सकता है। कछुए ने हां में उत्तर दिया और लकड़ी को पकड़ लिया। वो दोनों हंस लकड़ी को पकड़कर उड़ चले। वो उड़ते हुए एक गांव के ऊपर से निकले। गांव वालों ने ऐसा पहली बार देखा था। सभी तालियां बजाने लगे। यह देखकर कछुए से रहा नहीं गया और बोला कि नीचे क्या हो रहा है? जैसे ही उसने बोलने के लिए मुंह खोला उसके मुंह से लकड़ी छूट गई और वो नीचे गिर गया। ऊंचाई से नीचे गिरने की वजह से कछुआ मर गया और हंस अफसोस करते हुए वहां से चले गए।

7 अंतर खोजें

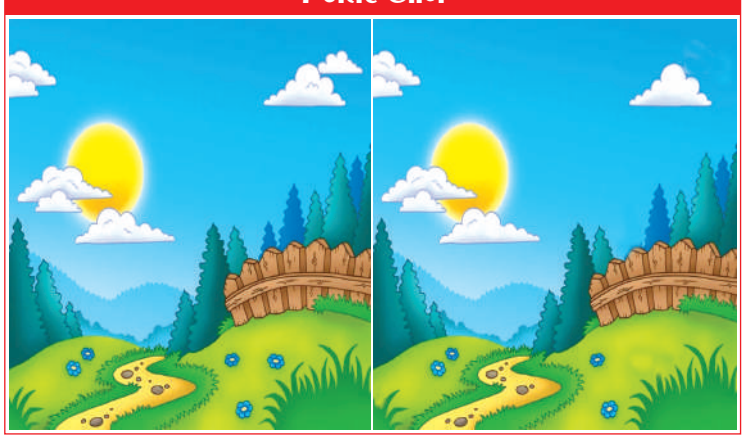

जानिए कैसा रहेगा कल

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च होगा। किसी के व्यवहार से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। कुबुद्धि हावी रहेगी।

वृषभ

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मिथुन

कार्यस्थल पर परिवर्तन की योजना बनेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे।

कर्क

तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें।

सिंह

चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। किसी भी प्रकार के विवाद में न पड़ें।

कन्या

किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

तुला

स्थायी संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़ी समस्या का हल सहज ही प्राप्त होगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है।

वृश्चिक

रोमांस में सफलता मिलेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा।

धनु

आय बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। जोखिम न लें। विवाद को बढ़ावा न दें। कानूनी अड़चन से सामना हो सकता है।

मकर

मित्रों का सहयोग करने का मौका प्राप्त होगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें।

कुम्भ

भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा।

मीन

कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है।

बॉलीवुड | मन की बात

लाल सलाम को मिला धनुष का समर्थन

साउथ सुपरस्टार रजनीकांत, विष्णु विशाल और विक्रांत की बहुप्रतीक्षित स्पोर्ट्स ड्रामा लाल सलाम आखिरकार नौ फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। ऐश्वर्या रजनीकांत के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उनके पिता रजनीकांत ने विस्तारित कैमियो भूमिका निभाई है। फिल्म के रिलीज के दिन चेन्नई में एक और जहां सिनेमाघर दुल्हन की तरह सज चुका है, वहीं फिल्म के लिए तमाम दिग्गज सितारे ऐश्वर्या, रजनीकांत और फिल्म के कलाकारों को बधाई दे रहे हैं। वहीं अब ऐश्वर्या के पूर्व पति और साउथ सुपरस्टार धनुष ने भी फिल्म के लिए उत्साह जाहिर किया है। आज शुक्रवार नौ फरवरी को सिनेमाघरों में लाल सलाम रिलीज हुई। रिलीज के साथ ही दर्शकों का खास उत्साह सिनेमाघरों के बाहर नजर आ रहा है। वहीं अभिनेता धनुष ने अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट साझा करते हुए फिल्म की सराहना की। उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, आज से लाल सलाम। इससे पहले पांच फरवरी को धनुष ने लाल सलाम का ट्रेलर साझा किया था और लिखा था, टीम को शुभकामनाएं। भगवान आशीर्वाद दें। वहीं रजनीकांत के उत्साही प्रशंसकों ने चेन्नई के रोहिणी सिल्वर स्क्रीन में फिल्म की रिलीज का जश्न मनाया। लाल सलाम की रिलीज का जश्न मनाते प्रशंसकों के कई वीडियो अब सामने आए हैं। सामने आए क्लिप में प्रशंसक सुपरस्टार रजनीकांत के बड़े कट-आउट पोस्टर की पूजा करते नजर आ रहे हैं। उन्हें थिएटर के बाहर खाने के पैकेट बांटते हुए भी देखा जा सकता है। रोहिणी थिएटर के बाहर फूलों से सजा रजनीकांत का एक विशाल पोस्टर लगाया गया था। समर्पित प्रशंसक फिल्म की रिलीज से पहले रजनीकांत के लिए प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं। फैंस भी भरपूर जोश और उत्साह है। कई लोग हाथों में दीप जलाकर रजनीकांत के बड़े से पोस्टर की पूजा करते हुए भी नजर आए। वहीं बात करें फिल्म की तो लाल सलाम एक स्पोर्ट्स ड्रामा है, जिसमें अभिनेता रजनीकांत एक विस्तारित कैमियो करते नजर आ रहे हैं। फिल्म में विष्णु विशाल और विक्रांत मुख्य भूमिका में हैं।

आमिर से हर चीज बनाने की उम्मीद नहीं कर सकती : किरण

फिल्ममेकर किरण राव की फिल्म लापता लेडीज आजकल काफी चर्चा में है इस फिल्म का ट्रेलर जनता को खूब पसंद आ रहा है और इसकी डिफरेंट कहानी दिलचस्प लग रही है। किरण इन दिनों जमकर फिल्म प्रमोट कर रही हैं। हाल ही में किरण, अपने पूर्व पति आमिर खान के साथ प्रमोशन पर नजर आई थीं, जो लापता लेडीज के को-प्रोड्यूसर भी हैं। किरण ने खुद ही डायरेक्शन के साथ-साथ फिल्म प्रोड्यूस भी की है। लापता लेडीज को किरण ने अपने बैनर किंडलिंग पिक्चर्स के बैनर तले बनाया है। ऐसे में एक जाहिर सा सवाल है कि जब आमिर का प्रोडक्शन हाउस है ही, तो फिर किरण ने खुद फिल्म क्यों प्रोड्यूस की? किरण ने अब इस सवाल का जवाब दिया। किरण ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, मैं आमिर से हर वो चीज बनाने की उम्मीद नहीं कर सकती, जो मैं बनाना चाहती हूं। आमिर एक पर्टिकुलर तरीके से काम करते हैं, जिसमें वो कुछ भी सिर्फ इसलिए नहीं करते कि सामने वाला उनका बेटा, बेटी, पत्नी या

बॉलीवुड | मसाला

अपना भाई है। सबसे पहला आईडिया काम करना चाहिए । साथ ही, हमें उस बजट के अंदर काम करना होता है जो आईडिया को सपोर्ट करता है। किरण ने इस बारे में बात करते हुए आगे कहा, तो, बजट से आपका रिस्क जस्टिफाई होता है और आप कोई भी काम कर सकते हो जो आप करना चाहते हैं। किरण ने कई साल पहले अपना बैनर किंडलिंग पिक्चर्स लॉन्च किया था। मगर लापता लेडीज उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म है जिसे ये बैनर प्रोड्यूस कर रहा है। किरण राव ने ये भी कहा कि वो वेब सीरीज का आईडिया भी एक्सप्लोर करना चाहती हैं, लेकिन आमिर अभी इसमें इंटरेस्टेड नहीं हैं। उन्होंने बताया, आईडिया ये है कि मैं और एक्सप्लोर करना चाहती हूं, खासकर सीरीज को लेकर। आमिर इस समय ये बनाने में कुछ खास इंटरेस्टेड नहीं हैं। ये (किरण का प्रोडक्शन हाउस) एक क्रिएटिव लैब की तरह है।

जस्सी जैसी कोई नहीं में अपना वेतन सुन हैरान रह गई थीं मोना

अभिनेत्री मोना सिंह आज बॉलीवुड में नाम कमा चुकी हैं। अभिनय करियर की शुरुआत अभिनेत्री ने छोटे पर्दे से की। टीवी शो जस्सी जैसी कोई नहीं में जस्सी का किरदार निभाकर मोना सिंह घर-घर में मशहूर हो गई थीं। इतना ही नहीं, इस शो के लिए अपनी पहली सैलरी पाकर मोना सिंह हैरान रह गई थीं। हाल ही में उन्होंने इस बारे में खुलासा किया है। मोना सिंह ने बताया कि उन्हें पहला पे चेक इस शो से मिला था। चैनल ने जब उन्हें सैलरी के बारे में जानकारी दी तो वे हैरान रह गई थीं। मोना सिंह ने आगे कहा कि जब उन्हें सैलरी के बारे में बताया गया तो उन्हें अपने कानों पर यकीन नहीं हुआ। मोना ने कहा, यह काफी शॉकिंग था, क्योंकि उन्होंने मुझे प्रति दिन भुगतान पर नहीं लिया था। मुझे पैकेज के आधार पर काम दिया गया था। मुझे 1.5 लाख रुपये प्रति महीने वेतन ऑफर किया गया था। यह सुनकर मैंने कहा-क्या! अभिनेत्री ने आगे बताया कि सैलरी सुनने के बाद उन्होंने सीधे अपने माता-पिता को अपने वेतन के बारे में बताया। यह खबर बताने के लिए वे सीधे एसटीडी बूथ पर गईं। मोना सिंह ने कहा, मेरे फोन की बैटरी खत्म हो गई थी। मैं सीधे एसटीडी बूथ गई। अपनी मम्मी-पापा को फोन करने के बाद मैं बुरी तरह रो रही थी। मैंने मां से कहा, अंदाजा लगाओ क्या हुआ है? मेरे को डेढ़ लाख रुपये मिल रहे हैं। मेरी मम्मी ने कहा, क्या! मैंने उनसे कहा, जाओ और शॉपिंग करो। जो कुछ भी आप चाहते हो। मां ने कहा, क्या! मोना सिंह ने आगे बताया कि एक महीने बाद उन्हें शानदार अप्रेजल मिला। एक्ट्रेस ने कहा, शो रिलीज हो चुका था और सबकुछ अच्छा चल रहा था।

कहा- मुझे 1.5 लाख रुपये प्रति महीने वेतन किया गया था ऑफर

अजब-गजब | अगर गर्लफ्रेंड न करती ये गलती

करोड़पति बन जाता ये शख्स, अब पछता रहे

अमीर बनने की ख्वाहिश कि से नहीं होती, लेकिन सोचिए अगर हाथ आया पैसा निकल जाए तो क्या हालत होगी? वह भी एक-दो लाख नहीं बल्कि करोड़ों एक शख्स के साथ ऐसा ही हुआ। वह पल भर में करोड़पति बन जाता अगर उसकी गर्लफ्रेंड एक गलती न करती। अब दोनों पछता रहे हैं कि क्या कर दिया। पूरा मामला जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे। यही कहेंगे कि भाग्य उन दोनों के साथ नहीं था। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के रहने वाले जैकब साइमन कई साल से लॉटरी टिकट खरीद रहे हैं। हर बार वे एक ही नंबर इस्तेमाल करते हैं, लेकिन आज तक नहीं जीत पाए। हर बार गर्लफ्रेंड उन्हें ताने मारती रहती थी। कुछ दिनों पहले भी उन्होंने लॉटरी टिकट खरीदे, और वही नंबर डाला। जब लकी ड्रॉ निकला तो उनकी खुशियों का ठिकाना नहीं रहा। जो नंबर उन्होंने डाले थे, उसी ने 7.5 मिलियन पाउंड यानी 78 करोड़ रुपये की भारी भरकम राशि जीत ली थी। वह खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। लेकिन जैसे ही उन्होंने अपनी गर्लफ्रेंड को इसके बारे में बताया, सारी खुशी मायूसी में बदल गई। हुआ ये कि उनकी गलफ्रेंड चैन्टेल अवोसा ने आखिरी वक्त में भाग्यशाली अंक बदल दिए। इससे जैकब करोड़पति बनने से चूक गए। चैन्टेल इस बात से परेशान थीं कि जैकब बार-बार एक ही नंबर लगाते थे और सालभर में एक भी जैकपॉट उनके हाथ नहीं लगा। तो उन्होंने सोचा कि क्यों न एक बार नंबर बदलकर देखा जाए। आखिरकार, इस बार भी कुछ नहीं मिला। अगर पुराना नंबर ही रहता तो वे भी उन भाग्यशाली विजेताओं में होते और 78 करोड़ रुपये उन्होंने जीते होते। चैन्टेल एक साल से 14, 20, 27, 34, 38 और भाग्यशाली सितारे 2 और 11 चुने थे। लोट्टो ऐप की हिस्ट्री से पता चला कि वे ड्रॉ के आखिरी दिनों तक इन नंबरों पर टिके हुए थे। लेकिन ऐन वक्त में उनकी पत्नी ने 2 नंबर बदल दिए, जिससे वे जैकपॉट हासिल करने से चूक गए। जैकब ने कहा, मैं बीमार महसूस कर रहा हूं। जितना अधिक मैं इसके बारे में सोचता हूं उतना ही अधिक मैं इस पर विश्वास नहीं कर पाता। उस दिन से हम दोनों को नींद नहीं आई है। हम पागल से हो गए हैं कि काश, उसने नंबर न बदले होते। पहले तो मुझे लगा कि शायद मेरी गर्लफ्रेंड मजाक कर रही है,लेकिन यह सच था। मैं करोड़पति बनने से रह गया।

दुनिया का पहला AI बच्चा, इंसानों की तरह करता है हरकतें

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की दुनिया में एक और चमत्कार हुआ है। एक इंस्टीट्यूट ने दुनिया का पहला AI बच्चा बनाया है, जो इंसानों की तरह हरकतें करता है। उसके पास हर सवाल का जवाब है। 3 साल के इस बच्चे में इंसानों के बच्चों की तरह भावनात्मक व्यवहार करने की क्षमता है। वह गुस्सा होता है, तो प्यार से मुस्कुराता भी है। रोता भी है। आप उसके चेहरे पर उदासी भी दे सकते हैं। पहली बार किसी कंपनी ने इस तरह का प्रयोग किया है, जो दुनिया में हलचल मचा रहा है। यह कारनामा चीन के बीजिंग इंस्टीट्यूट फॉर जनरल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने किया है। उन्होंने बच्चे को टोंग टोंग नाम दिया है, जिसका अंग्रेजी मतलब लिटिल गर्ल है। बीते दिनों जब इसे लॉन्च किया गया तो दुनिया देखकर हैरान रह गई। इसमें छोटे बच्चों की तरह मासूमियत है तो अनुभवी और एक्सपर्ट लोगों की तरह हर समस्या का समाधान भी। यह लोगों से सीखने में सक्षम हैं। यानी अगर आप इसे कुछ बताते हैं तो आगे उसी तरह की हरकतें करती है। शोधकर्ताओं का दावा है कि इंसानी बच्चों की तरह इसमें भी बड़ों को देखकर सीखने की क्षमताएं हैं। यह भावनात्मक जुड़ाव महसूस करती है। यह खुश भी होती है, तो उदास भी। गुस्से में भी आ जाती है। इसमें इंसानों जैसे कौशल हैं। यह सफाई करती है। टेढ़े-मेढ़े चित्र फ़रेमों को ठीक करती है। यहां तक कि गिरा हुआ दूध भी साफ करती नजर आती है। ऐसा आज तक किसी AI जेनरेटेड इंसान में नहीं देखा गया। आप इससे बातचीत भी कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में दावा किया गया है कि टोंग टोंग के पास इंसानों की दिमाग है। लोग जो भी उसे सिखाते हैं, वह तुरंत कैप्चर कर लेती है, उसे समझने का प्रयास करती है। आगे जब भी जरूरत होती है तो वही जवाब देती है। वह सही और गलत में अंतर करना जानती है। विभिन्न स्थितियों में अपना दृष्टिकोण व्यक्त करती है और भविष्य को आकार देने की शक्ति रखती है। एआई एक्सपर्ट और बीआईजीएआई के निदेशक झू सोंगचुन ने कहा AI हमारी दुनिया बदलने में सक्षम है। हमें ऐसी संस्थाएं बनानी होंगी, जो वास्तविक दुनिया को समझ सकें। जिनके पास व्यापक स्तर के कौशल हों।

महाराष्ट्र की 'बिगड़ती' कानून-व्यवस्था को लेकर प्रियंका चतुर्वेदी ने की शाह से हस्तक्षेप की मांग, कहा-

लोगों का ज्यादा नुकसान न हो, गृहमंत्री लें संज्ञान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई में शिवसेना (यूबीटी) के एक नेता की हत्या के बाद पार्टी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भाजपा-व शिंदे की सरकार पर हमला बोला है। इसी के मद्देे नजर उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से महाराष्ट्र की ''बिगड़ती'' कानून-व्यवस्था को लेकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ज्ञात हो कि स्थानीय व्यवसायी और सामाजिक कार्यकर्ता मौरिस नोरोन्हा ने बृहस्पतिवार शाम ''फेसबुक लाइव'' के दौरान शिवसेना (यूबीटी) नेता विनोद घोसालकर के बेटे एवं पूर्व पार्षद अभिषेक घोसालकर (40) की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

शुक्रवार को शाह को लिखे पत्र में चतुर्वेदी ने एक दिन पहले स्थानीय शिवसेना (यूबीटी) नेता अभिषेक घोसालकर की हत्या और इस महीने की शुरुआत में पड़ोसी ठाणे जिले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक विधायक द्वारा एक पुलिस थाने में की गई गोलीबारी का जिक्र किया। राज्यसभा सदस्य ने पत्र में कहा कि मैं आपसे आग्रह करती हूं कि आप महाराष्ट्र में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर तत्काल हस्तक्षेप करें, इससे पहले कि यहां के निवासियों को अपूरणीय क्षति हो। पुलिस के अनुसार बाद में नोरोन्हा ने आत्महत्या कर ली। इससे पहले दो फरवरी को भाजपा विधायक गणपत गायकवाड़ ने भूमि विवाद और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में मुंबई के पास उल्हासनगर के एक पुलिस थाने में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के एक स्थानीय नेता को गोली मारकर घायल कर दिया था।

अब बढ़ते अपराध हिंसा और गोलीबारी की जद में आ रहा मुंबई

चतुर्वेदी ने कहा कि एक समय व्यापार और व्यवसाय के लिए प्रसिद्ध मुंबई शहर अब बढ़ते अपराध, हिंसा और गोलीबारी की जद में आ रहा है। उन्होंने कहा कि निर्दोष और जन प्रतिनिधियों को डराने-धमकाने के लिए आग्नेयास्त्रों के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से राज्य में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा हो गया है।

मैं न्याय की मांग करती हूं: शर्मिष्ठा

» प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा ने राहुल को लिखा खुला खत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को खुला पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके समर्थक उन्हें सोशल मीडिया पर लगातार ट्रोल कर रहे हैं। यही नहीं, उनके पिता के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल भी कर रहे हैं। बता दें कि शर्मिष्ठा की नई किताब का हाल ही में विमोचन हुआ है। इस किताब में उन्होंने दावा किया है कि प्रणब का मानना था कि राहुल को अभी परिपक्व होना बाकी है। तबसे वह विपक्षी पार्टी के निशाने पर आ गई हैं। शर्मिष्ठा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दो पन्नों का खुला पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। उन्होंने बताया कि उनके लिए खासतौर पर एक सोशल मीडिया यूजर नवीन शाही ने अश्लील भाषा का इस्तेमाल किया है। जिसे कांग्रेस के कई नेता फॉलो करते हैं। इसमें उन्होंने

आगे लिखा है कि शाही ने उन्हें और उनके पिता के लिए अपशब्दों और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और यौन प्रकृति की अपमानजक टिप्पणी पोस्ट की है। शर्मिष्ठा ने लिखा, मैं पूरी तरह से हैरान हूं। मैं (कांग्रेस महासचिव) जयराम रमेश और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और आपको एक्स पर टैग करके इस मुद्दे को आपके ध्यान में लायी। लेकिन मुझे लगता है कि इस पत्र को लिखने तक मुझे न तो कोई प्रतिक्रिया मिली है और न ही उस व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर कोविंद कमेटी की चर्चा शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग को राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभा और राज्य विधान परिषद चुनाव कराने का अधिकार है। समिति के नए सचिव राजीव मणि भी परामर्श के दौरान उपस्थित थे। मणि कानून मंत्रालय में विधायी सचिव भी हैं। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' पर गठित उच्च स्तरीय समिति ने स्थानीय निकाय चुनाव कराने के लिए अधिकृत राज्य निर्वाचन आयोगों (एसईसी) के साथ उनके विचार जानने के लिए परामर्श शुरू किया।

पिछले साल सितंबर में गठित, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति को लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, नगरपालिकाओं और पंचायतों के लिए एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर जल्द से जल्द विचार करने और सिफारिशें करने का काम सौंपा गया है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि समिति ने राजस्थान के राज्य निर्वाचन आयुक्त मधुकर गुप्ता, दिल्ली और चंडीगढ़ के पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त संजय श्रीवास्तव और हरियाणा के पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त दलीप सिंह से मुलाकात की।

राहुल गांधी के खिलाफ साजिश को बयां करती किताब

» राहुल गांधी : सांप्रदायिकता दुष्प्रचार और तानाशाही से ऐतिहासिक संघर्ष

» दयाशंकर मिश्र ने शब्दों मे पिरोया कांग्रेस नेता का पूरा चरित्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऐसे वक्त में आई है, जब मीडिया आत्मसमर्पण कर चुका है। लोकतंत्र और संविधान अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह किताब राहुल गांधी के विरुद्ध 2011 से छलपूर्वक रचे गए षडयंत्रों पर विस्तार से बात करते हुए सांप्रदायिकता, दुष्प्रचार और तानाशाही से उनके ऐतिहासिक संघर्ष का तथ्यात्मक दस्तावेज है। 11 खंडों की यह किताब 752 पेज में मोदी सरकार के 10 साल का पूरा हिसाब-किताब पेश करती है। इसके साथ ही राहुल गांधी पर फैलाए गए झूठ का ठोस, तथ्यात्मक प्रतिवाद है। किस तरह नागरिकों के दिमाग को हाईजैक करने की कोशिश की जा रही है, किताब में इसकी की विस्तृत व्याख्या है। यह अन्ना आंदोलन के नाम पर झूठ और प्रोपेगेंडा की आँधी से लेकर मीडिया के गोदी मीडिया बनने और नफरत के चलते उपजी असहिष्णुता पर बात करती है।

दाभोलकर, पानसरे, कलबुर्गी और गौरी लंकेश के साथ नागरिकों की मॉब लिंचिंग पर बात करते हुए आगे बढ़ती है। मोदी सरकार ने किस तरह स्वच्छ भारत के नाम पर महात्मा गांधी को 'कचरा' पेटी पर बिठा सफाई अभियान तक सीमित करने का अभियान चलाया। किस तरह बार-बार गांधी के योगदान को कमतर करने और सार्वजनिक रूप से उनका अपमान कर भारतीय जनमानस में बसी उनकी छवि को खंडित करने का प्रयास किया। किताब इस ओर भी पाठकों का ध्यान आकर्षित करती है। किताब में सांप्रदायिकता पर एक बड़ा खंड है, जो बताता है कि किस तरह नफरत को सत्ता का संरक्षण प्राप्त है। मोदी के मंत्री द्वारा मॉब लिंचिंग के आरोपियों का स्वागत करने से लेकर सेंगोल के नाम पर झूठ और मोदी की टिप्पणियों का सिलसिलेवार जिक्र है, मणिपुर हिंसा के पीड़ितों के दुख दर्द को साझा करने पहुंचे राहुल गांधी के संवाद और विचार को सामने रखते हुए किताब नफरत के बाजार में, मोहब्बत की दुकान के दर्शन से पाठकों को रूबरू कराती है। संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जे को समझाते हुए किताब इलेक्टोरल बॉन्ड, नोटबंदी, पेगासस, पीएम केयर्स और चुनाव आयोग के आत्मसमर्पण पर विस्तार से बात करती है। न्यायपालिका के खंड में सुप्रीम कोर्ट के जजों की प्रेस कॉन्फ्रेंस, प्रधानमंत्री का सीजेआई के दफ़्तर में जाना, जकिया जाफरी की याचिका का खारिज होना, मोदी उपनाम मामले में राहुल गांधी को दो साल की सजा और बाद में सुप्रीम कोर्ट का गुजरात की निचली अदालतों को फटकार लगाने का विस्तार से जिक्र है।

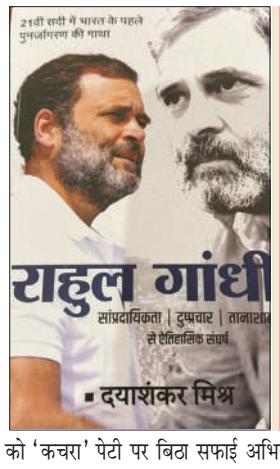

मीडिया को सरकार ने खरीदा

मीडिया के खंड में आप पढ़ेंगे, कैसे सरकार ने मीडिया को अप्रत्यक्ष तरीके से ख़रीदते हुए, लोकतंत्र की आवाज़ को कुचलने में कोई कसर नहीं छोड़ी। किताब राहुल गांधी के खिलाफ़ दुष्प्रचार, उनके सभी झूठे वायरल वीडियो की असलियत को सरल भाषा में पाठकों के सामने लाती है। भारत जोड़ो यात्रा के हिस्से में आप पढ़ेंगे कि आरएसएस वाले जय सियाराम क्यों नहीं बोलते, राहुल गांधी ने टीवी, अख़बार को इंटरव्यू क्यों नहीं दिया और भारत जोड़ो यात्रा की ज़रूरत क्यों पड़ी। कैसे आरएसएस के हिंदू राष्ट्र के दिवास्वप्न के बीच राहुल गांधी चुनौती बनकर खड़े हैं।

मोदी सरकार के दबाव में नहीं आए लेखक

अघोषित तानाशाही के इस दौर में जब हिंदी पत्रकारिता सत्ता के आगे दंडवत है। मेनस्ट्रीम मीडिया में दो दशक से ज्यादा के अनुभव के साथ आलोचनात्मक नजरिया रखने वाले दयाशंकर मिश्र की यह किताब एक महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्तक्षेप है। यह न्यूज़रूम का प्रायश्चित भी है, जिसका गवाह लेखक खुद है। किताब के प्रकाशित होने से पहले ही लेखक को इस्तीफ़ा देना पड़ा, क्योंकि मोदी सरकार और गोदी मीडिया नहीं चाहता था कि राहुल गांधी पर यह किताब प्रकाशित हो और बड़े-बड़े स्थापित प्रकाशन समूह पीछे हट गए, इस किताब के लिए लेखक ने नेटवर्क 18 के एग्जीक्यूटिव एडिटर पद से इस्तीफ़ा दिया। यह किताब आन लाइन उपलब्ध है।

श्रेयस-सौरभ टीम से बाहर, आकाश दीप की एंट्री

इंग्लैंड के खिलाफ बचे हुए तीन टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम की घोषणा

» निजी कारणों से शेष सीरीज में हिस्सा नहीं लेंगे विराट कोहली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ शेष तीन टेस्ट के लिए 17 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली भारतीय टीम से श्रेयस अय्यर और सौरभ कुमार को बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

बंगाल के तेज गेंदबाज आकाश दीप को पहली बार राष्ट्रीय टीम से बुलावा आया है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने निजी कारणों से शेष सीरीज में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। बोर्ड ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करके कहा, विराट कोहली शेष सीरीज में निजी कारणों से हिस्सा नहीं ले रहे हैं और बोर्ड

उनके फैसले की पूरी तरह इज्जत करता है। बोर्ड ने साथ ही बताया कि रवींद्र जडेजा और केएल राहुल को बेशक टीम में शामिल किया गया है, लेकिन बीसीसीआई मेडिकल टीम से हरी झंडी मिलने पर ही इन्हें प्लेइंग 11 में शामिल किया जाएगा। बीसीसीआई ने शेष तीन टेस्ट के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें आकाश दीप को पहली बार शामिल किया गया है।

बता दें कि बोर्ड ने दूसरे टेस्ट में जो बदलाव किए थे, उनमें से सिर्फ सौरभ कुमार को बाहर रखा है। शेष सभी खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। याद दिला दें कि भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट राजकोट में 15 फरवरी से शुरू होगा। इसके बाद 23 फरवरी से रांची में चौथा टेस्ट खेला जाएगा। पांचवां व अंतिम टेस्ट धर्मशाला में 7 मार्च से खेला जाएगा।

भारतीय स्क्वॉड

रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह, यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरैल, केएस भरत, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, मुकेश कुमार और आकाशदीप।

कर्नाटक और तमिलनाडु में ईडी की रेड से राजनीति लाल

विपक्ष ने भाजपा व मोदी सरकार पर बोला हमला

जांच एजेंसी ने कर्नाटक कांग्रेस नेता नारा भरत रेड्डी से जुड़ी छह संपत्तियों पर छापेमारी की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को बल्लारी के कांग्रेस विधायक नारा भरत रेड्डी से जुड़ी छह संपत्तियों पर छापेमारी की। वहीं यूपी के वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद की पत्नी लुईस खुर्शीद को ईडी की नोटिस से भी बवाल मचा है। विपक्ष ने मोदी सरकार के खिलाफ हमला बोला है।

ईडी के अधिकारियों की तलाशी में बेंगलुरु के बल्लारी में कांग्रेस विधायक के आवास, चेन्नई में उनका कार्यालय, उनके पिता का कार्यालय, उनके चाचा प्रथा रेड्डी का आवास और उनका कार्यालय शामिल हैं। उनके बेल्लरी स्थित आवास पर छापेमारी सुबह 6.30 बजे शुरू हुई, जिसमें ऑपरेशन को अंजाम देने के लिए बेंगलुरु से अधिकारियों की एक टीम पहुंची। विधायक के परिवार के पास कुछ ग्रेनाइट खदान व्यवसाय हैं-एक कोप्पल जिले में और दूसरा आंध्र प्रदेश के ओंगोल जिले में। ईडी के अधिकारियों ने बेंगलुरु में उनके आवास और चेन्नई में उनके कार्यालय पर भी छापेमारी की है।

पूर्व मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी लुईस को ईडी का नोटिस

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद की पत्नी लुईस खुर्शीद को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नोटिस देकर पूछताछ के लिए तलब किया है। उन्हें 15 फरवरी को लखनऊ स्थित ईडी के जोनल मुख्यालय में बुलाया गया है। बता दें कि लुईस खर्शीद के खिलाफ दो दिन पूर्व बरेली की एमपी-एमएलए अदालत ने गैरजमानती वारंट भी जारी किया है। दरअसल, वर्ष 2009-10 में लुईस खुर्शीद की डॉ. जाकिर हुसैन मेमोरियल ट्रस्ट को केंद्र सरकार ने दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग और उपकरण बांटने के लिए करीब 71 लाख रुपये सब्सिडी दी थी। इसमें फर्जीवाड़ा होने पर बरेली, बुलंदशहर, शाहजहांपुर समेत कई जिलों में मुकदमा दर्ज हुआ था, जिसमें ट्रस्ट की परियोजना निदेशक लुईस खुर्शीद और सचिव मोहम्मद अतहर फारुकी को नामजद किया गया था।

समीर वानखेड़े पर ईडी ने दर्ज किया मनी लॉन्ड्रिंग का केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई एनसीबी के पूर्व जोनल डायरेक्टर समीर वानखेड़े अब नई मुसीबत में फंस गए हैं। ईडी ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। ईडी ने समीर वानखेड़े के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच शुरू कर दी है और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के तीन अधिकारियों को भी पूछताछ के लिए बुलाया है। पिछले साल, सीबीआई ने बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को ड्रग्स-ऑन-क्राइम मामले में फंसाने के लिए कथित तौर पर 25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगने के लिए वानखेड़े पर मामला दर्ज किया था। एजेंसी ने कहा कि यह सौदा 18 करोड़ रुपये में पूरा हुआ, साथ ही यह भी कहा कि वानखड़े की संपत्ति उनकी आय के ज्ञात स्रोतों से ज्यादा थीं। समीर वानखेड़े और अन्य एनसीबी अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के अन्य आरोप भी प्रक्रिया में थे। एफआईआर कॉपी में कहा गया है कि वह अपनी विदेश यात्रा के दौरान किए गए खर्चों को उचित नहीं ठहरा पाए।

बोले- देशभक्त होने की सजा मिली

दूसरी ओर वानखेड़े ने आरोप लगाया है कि उन्हें देशभक्त होने की सजा दी जा रही है। वानखेड़े ने कॉर्डेलिया क्रूज पर छापा मारा और कथित ड्रग मामले में अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को गिरफ्तार किया।

जम्मू-कश्मीर में कई जगहों पर एनआईए की छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू और कश्मीर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत एक गैरकानूनी संगठन जमात-ए-इस्लामी जम्मू-कश्मीर द्वारा आतंकी फंडिंग के मामले में शनिवार को कश्मीर के कुछ हिस्सों में तलाशी ली।

सूत्रों का कहना है कि एजेंसी के अधिकारी ये छापेमारी कश्मीर के दक्षिणी क्षेत्र के अलावा श्रीनगर और जम्मू में भी कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के साथ निकट समन्वय में छापेमारी चल रही है। 28 फरवरी, 2019 को यूए (पी) अधिनियम के तहत एक गैरकानूनी संघ घोषित होने के बाद भी, जमात-ए-इस्लामी को जम्मू-कश्मीर में आतंकी फंडिंग गतिविधियों को अंजाम देते हुए पाया गया है।

मिथुन की तबियत बिगड़ी कोलकाता अस्पताल में भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। मिथुन को शनिवार सुबह सीने में दर्द की शिकायत के बाद कोलकाता के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक्टर के एक करीबी ने बताया कि सुबह से मिथुन काफी असहज महसूस कर रहे थे और इसीलिए उन्हें अस्पताल में दाखिल कराया गया है। वहीं एक्टर के बेटे ने मिथुन का हेल्थ अपडेट भी मीडिया को मैसेज के जरिये दिया है।

मिथुन चक्रवर्ती के बेटे मिमोह चक्रवर्ती ने मैसेज कर एक्टर का हेल्थ अपडेट दिया है। मिमोह ने बताया, पापा 100 फीसदी फाइन हैं और ये रूटीन चेकअप है, लेकिन आपके कंसर्न के लिए थैंक्यू। वहीं अस्पताल में मौजूद मिथुन के करीबी का कहना है कि मिथुन को लेकर घबराने की कोई बात नहीं

है और वो ठीक हैं, सूत्र ने ये भी कहा कि फिलहाल मिथुन को अटैंड कर रहे डॉक्टर्स उन के सभी टेस्ट कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि मिथुन को सीने में दर्द उठा था, मगर अस्पताल में मौजूद करीबी सूत्र ने इससे इनकार करते हुए उन्हें अहसज महसूस करने की बात बताई।

पाकिस्तान चुनाव में किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं

» निर्दलीय उम्मीदवारों ने सर्वाधिक 99 सीट जीतीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अब तक नेशनल असेंबली की 265 में से 244 सीटों के परिणाम घोषित किए जा चुके हैं। इनमें से 96 सीट पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। निर्वाचन आयोग की ओर से परिणाम घोषित करने में देरी करने पर चुनाव में धांधली के आरोप लगाए गए हैं। मतगणना अब भी जारी है।

देश में गुरुवार को चुनाव धांधली के आरोप, छिटपुट हिंसा और मोबाइल इंटरनेट बंद रहने के बीच कराए गए थे।पाकिस्तान निर्वाचन आयोग के अनुसार, नेशनल असेंबली की 250 सीट पर मतगणना पूरी हो चुकी है और निर्दलीय उम्मीदवारों ने सर्वाधिक 99 सीट जीती हैं। इनमें से

अधिकतर उम्मीदवार पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी 'तहरीक-ए-इंसाफ' (पीटीआई) द्वारा समर्थित हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने 71, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने 53 सीट और मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट ने 17 सीट पर जीत हासिल की है। पाकिस्तान में हुए आम चुनाव के बाद धीमी गति से जारी मतगणना की प्रक्रिया शनिवार को पूरी होने के करीब है, लेकिन किसी भी राजनीतिक दल को स्पष्ट बहुमत मिलता प्रतीत नहीं हो रहा और नकदी संकट से जूझ रहे देश में राजनीतिक स्थिरता अब भी पूरा न होने वाला सपना लग रही है।

पीपीपी और पीएमएल-एन गठबंधन सरकार बनाने पर सहमत

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) केंद्र और पंजाब में गठबंधन सरकार बनाने पर सहमत हो गए हैं। यह खबर पीएमएल-एन अध्यक्ष शहबाज शरीफ की ओर से पीपीपी अध्यक्ष बिलावल भुट्टो और पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से मुलाकात के बाद सामने आई है। शहबाज ने पंजाब के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी के आवास पर पीपीपी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की। पार्टी सूत्रों ने कहा कि शहबाज ने जरदारी के साथ भविष्य में सरकार गठन पर चर्चा की और पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ का संदेश भी दिया। शहबाज ने दोनों पीपीपी नेताओं से पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिए पीएमएल-एन नेतृत्व के साथ बैठने को कहा।

वाह रे! योगी जी के कर्मठ अधिकारी, डीएम से की अभद्रता

आगरा में विकास कार्यों की मीटिंग के बीच भिड़ गए डीएम और बीडीओ, गाली-गलौज और हाथापाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में फिर एकबार कानून व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। इसबार मामला और गंभीर है। घटना से ही इस बात का अंदाजा लगायस जा सकता है कि योगी सरकार अपने अधिकारियों की पीठ थपथपाती है पर आगरा में अधिकारी अपने ही डीम पर हमला करके सरकार के दावे की पोल खोल दी है।

दरअसल, आगरा के जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी पर उनके ही एक अधिकारी द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। खंड विकास अधिकारी अनिरुद्ध सिंह चौहान पर जिलाधिकारी के साथ मारपीट की कोशिश और अभद्रता का आरोप है। अनिरुद्ध सिंह चौहान पर जिलाधिकारी के साथ हाथापाई करने का प्रयास करने

जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी

खंड विकास अधिकारी पर मुकदमा दर्ज

खंड विकास अधिकारी अनिरुद्ध सिंह चौहान से क्षेत्र में विकास कार्यों के धीमी गति के बारे में पूछा गया। जिलाधिकारी के सवाल से खंड विकास अधिकारी तिलमिला गए। इसके बाद उत्तेजित होकर अनिरुद्ध सिंह चौहान ने जिलाधिकारी से अभद्र भाषा का प्रयोग करना शुरू कर दिया। बैठक में मौजूद सभी अधिकारी खंड विकास अधिकारी अनिरुद्ध सिंह चौहान के व्यवहार को देख कर दंग रह गए। सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) खंदौली ने घटना को लेकर रकाबगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। रकाबगंज पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धाराओं 323, 504, 506, और 332 में एफआईआर दर्ज की है।

का आरोप लगा है साथ ही सामने आया है कि, इस दौरान अनिरुद्ध सिंह चौहान ने जिलाधिकारी के साथ गाली गलौच भी की। बैठक में खंड विकास अधिकारी ने सबके सामने जिलाधिकारी को जान से मारने की धमकी दे डाली।

मिली जानकारी के मुताबिक जिलाधिकारी आगरा शासन की प्राथमिकता योजनाओं के बारे में कैंप कार्यालय में बैठक कर रहे थे। बैठक शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे जिलाधिकारी कैंप कार्यालय पर चल रही थी। जिलाधिकारी आगरा सभी अधिकारियों से क्षेत्र की समस्या और विकास कार्यों के बारे में जानकारी ले रहे थे, साथ ही कार्यों को दुरुस्त करने अथवा गति प्रदान करने के संबंध में जरूरी निर्देश भी दे रहे थे। सभी अधिकारी बारी-बारी से अपने क्षेत्र के विकास कार्यों के बारे में जानकारी दे रहे थे। इसी क्लब में खंड विकास अधिकारी अनिरुद्ध सिंह चौहान का नंबर आया। अनिरुद्ध सिंह चौहान ने अपने विकासखंड में किए गए कार्यों के बारे में जानकारी दी।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।